 CODE·NO·8

"सबके साथ सबका बिकास"

'चलो हम एक साथ आगे बढ़े और तरक्की करे'। किसी ~~+~~ विषय में हम अगर अच्छी तरीके से आगे बढ़ रहे हैं, तो उसे हम विकास कहते। आज हमारा देश, हम सब, दिन-भर-दिन विकसित हो रहे हैं, पर हम साथ ही ~~साथ~~ साथ यह भी भूल रहे हैं कि, कई सारे लोग हैं जो हमारे साथ आगे नही बढ़ पाते।

यह जो दुनिया है, इसमें सभी व्यक्ति एक समान है। यहा कोई ऊच-नीच या अमीर-गरीब जैसा एक मुद्दा ही नहीं उठना चाहिए। लेकिन क्या हम ऐसा सोचते हैं?, शायद बहुत कम व्यक्तियाँ ऐसे सोचते हैं - क्यों की अगर सब ऐसे सोचते तो हमारे देश में इतने सारे गरीब नही होते। हमें यह समझना चाहिए कि विकास सिर्फ

अमीरों का ही नहीं सब का होना चाहिए।
हमारे देश में बहुत सारे लोग हैं, जिन्हें सरकार द्वारा ~~करनेवाले~~ देनेवाले सहायक ~~योजना~~ योजनाओं का तक पता नहीं लगता।
इसी तरह कई अधिक कारनों से भी हमारा देश और हमारे लोग विकसित नहीं हो पाते। और आज विकसन कुछ इस तरह से हो रहा हैं, जिनमें आम आदमी का जीवन में कुछ ज्यादा फरक नहीं आता। अगर हम कुछ ऐसे क्षेत्रों में विकसित हो रहे हैं, जिसका हमें जरूरत ही नहीं हैं, इस तरह की विकसन से क्या मतलब होता हैं।
इसलिए सरकार को कुछ इस तरह का ~~कुछ~~ ~~विक~~ विकसन योजना सामने रखनी होगी जिसका प्रभाव सब पर पड़े। आज हमारा भारत कई सारे क्षेत्रों में बड़ी तेजी से आगे बढ़ रहा हैं, लेकिन कुछ जगों में, क्षेत्रों में हम पीछे हट रहे हैं। इसका यह मतलब

CODE NO

नहीं है कि सरकार भारत को विकसित करने कि कोशिश नहीं कर रहे हैं, बलकी यह है, कि वो कोशिश आम व्यक्तियों तक नहीं पहुंच रही है। इसका एक बहुत बड़ा उदाहरण है राषण दुकान। हम सब जानते हैं कि सरकार द्वारा दी जाने वाला चावल इन राषण दुकानों के जरीए बाटा जाता है, लेकिन आज इन दुकानों में भ्रष्टाचार ने अपना विनाश का कदम रख दिया है। यह मजाक नहीं सच है कि हमारे हिस्से का चावल अब और कोई अमीर खा रहा है। गरीबों को खाना इसलिए नहीं मिलता क्यों कि यह अमीर लोग अपने हिस्से से भि ज्यादा खाने में तुले हुए हैं। अगर ऐसा ही चला रहा तो हमारे देश में विकसन का नामुनिशान भी नहीं रहेगा। सिर्फ कुछ लोगों के विकसित होनेसे पूरा देश विकसित

नही होना। ~~इसी~~ इसलिए सभी का
एक साथ चलना बहुत ज़रूरी है।

अकसर हम अखबारों में पढ़ते हैं कि ~~आ~~ एक वक्त के खाने के बिना, शिक्षा के बिना बच्चें और बड़े जीते हैं। अगर हम ध्यान दे तो हमें पता लग सकता है कि यह ~~बच~~ ~~बच्चे~~ उन व्यक्तियों के बच्चे होते हैं जिनका समाज मे कोई प्रभाव नही। सभी बच्चे भगवान का वरदान होते है। उनका विकास हम सब की ज़िम्मेदारी ~~है~~। है। और अपने ज़िम्मेदारियों को पूरा करना हमारा करतव्य।

अगर हम ~~स~~ महिलाओवों के विकास पर बात करें तो हमे यह सीधा सच अपनाना चाहिए कि एक लड़की भी एक लड़के से कम नही है। ~~लड़की~~ ~~स~~ स्त्री आज वो पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही है। लेकिन दुनियाँ ~~में~~ ~~कु~~ ~~आज~~ के कुछ

18 ഓഗസ്റ്റ് 2017 ... 6-10 ... *58-

लोगों में आज भी ~~स्त्री~~ ~~लड़क~~
स्त्री को एक श्राप मानाजारहा है, एक
बोज समझ रखा है। यह सोच गलत है,
यह साबित करने केलिए स्त्री का
शशक्तिकरण बहुत जरूरी है। किसी
महान मे कहा है कि "अबला नही कहना
है आज भारत की नारी को, ~~शस्त्र~~
समझना भूल बड़ी है छिपी हुई चिंगारी
को -", सिर्फ एक ~~और~~ नारी कि विकसन
यानी की हमे समाज में उसको तुल्य
स्थान देना चाहिए जितना हमने एक
~~पुरुषको~~ ~~पुपुष~~ पुरुष को देते हैं,
उसको शिक्षा, इज्जत सब कुछ
हमारी करतव्य है। इसलिए पुरुष
के साथ नारी का विकसित होना भी
बहुत जरूरी है। और रही बात
प्रक्रिती की तो हम सब जानते हैं
आज पर्यावरण बहुत अधिक
तरह से दूशित हो रहा है। ~~और~~
और हम यह भी जानते है कि हमपर

कितने निरभर है। हम प्रक्रिती से
सब कुछ चाहते है लेकिन उसका
समरक्षण सिर्फ नहीं करना चाहते।
जन्म से लेकर म्रित्यू तक हमें जो
कुछ भी जरूरत है यह धरती हमे
देती है और बदले में हम क्या करते
है - ~~अ~~ उसको ~~दुशित~~ दूषित। अगर
देखा जारा तो ~~हमा~~ आज हमारा जीवन
बहुत खुशाल है। हम मोज-मस्ती
से जीते है। हमें जो चाहे वो हम
खाते है, पीते है, पहनते है, देखते है
हमें कोई नहीं रोकता। भगवान ने
इतना सुंदर धरती बनाया है, सजाया
है, कि हम कभी-कभी अपने में
ही खो जाते है। दूसरो को पीछे
छोड़कर विकसित होने का कोई मतलब
नहीं है। धरती हमारी माँ है, एक
नारी है। ~~उसका~~ ~~भी~~ धरती को
~~पीड़ित~~ दूषित करना माँ को पीड़ित करने का

CODE.No.8

(7)

[stamp]

समान है। और हम तो धरती को रोज़ दूषित कर रहे हैं।

आज मनुष्य अपने स्वार्थ केलिए प्रक्रिती का विनाश कर रहा है और पैसा कमा रहा है। धरती का विनाश करके करनेवाला सभी कार्य का भी अंत में विनाश ही होता है। इसलिए हमे हमेशा यह ध्यान में रखना चाहिए कि प्रक्रिती का विनाश करके कुछ भी विकसित नहीं होता।

एक देश तब ही विकसित कहलाया जाता है, जब सभी क्षेत्रों का विकसन होता है। ~~आज~~ हमारे देश में कई सारे व्यक्तियाँ हैं जो अपना देश आगे बढ़नेकेलिए नहीं बल्की ~~क~~ खुद आगे बढ़ने का प्रयत्न कर रहे हैं उन्हे समझना चाहिए कि अगर उनके कारण, गरीब रोज़ी रोटी के बिना जी रहे हैं या

देश आगे नहीं बढ़ पारहा हो है, तो •वो देश की ओर करने वाला सबसे बड़ा पाप हो सकता है। इसलिए देश को विकास अपना ~~वि~~ विकास समझकर, सभी लोगों ~~आ~~ को अपने समाज में ~~स~~ तुल्य स्थान देकर देश को विकसित करने में अपना पूरा योगदान देना चाहिए। "अकेले नहीं एक साथ आगे बढ़ो।"

—"आपका योगदान शायद देश को और हम सब को एक साथ तरक्की करने करके विकसित होने का एक कदम बनें।